‘अमर उजाला’ के ‘समर्पण एवं सम्मान’ समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(23 फरवरी 2023)

जय हिन्द!

अमर उजाला के ‘समर्पण एवं **सम्मान’** समारोह में आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए आज यहां सम्मानित सभी महानुभावों को **हार्दिक बधाई देता हूँ।**

‘समर्पण एवं सम्मान’ समारोह का आयोजन करने के लिए अमर उजाला परिवार को हर्दिक बधाई देता हूँ!

साथ ही अमर उजाला समूह के 75 वर्ष और उत्तराखण्ड संस्करण के 26 वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि के लिए भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

‘अमर उजाला’ एक **‘लोकप्रिय’** और **‘प्रतिष्ठित’** समाचार पत्र है, लोगों के दिलों में अमर उजाला के प्रति एक **प्रेम और एक जुड़ाव का भाव** है।

अपने पाठकों के साथ जुड़े रहना, लोक हित के मुद्दों को उठाना और सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी **समामजिक जिम्मेदारी निभाना** अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है।

अमर उजाला नें उत्तराखण्ड बनने से पहले ही यहां एक नयी शुरूआत कर दी थी और उत्तराखण्ड राज्य को बनाने में राज्य निर्माण के आन्दोलन में सहभागी बनकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अमर उजाला की **'समर्पण एवं सम्मान'** की यह पहल प्रेरणादायी है।

मुझे बताया गया है कि अमर उजाला फाउन्डेशन के माध्यम से चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों को निःशुल्क दवाईयां, जांचें, निःशुल्क एम्बुलेंस सेवाएं और ब्लड डोनेशन जैसे कार्य किये जा रहे हैं।

उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आज का यह **'समर्पण एवं सम्मान'** समारोह आयोजित किया जा रहा है।

चिकित्सा का पेशा एक बहुत ही प्रतिष्ठित पेशा है, हर किसी का सपना डाक्टर बनने का होता है, यह सच है कि इस पेशे में अत्यन्त उन्नत बौद्धिक निपुणता की आवश्यकता होती है।

किसी को जीवन देना ईश्वर का कार्य है लेकिन उसकी रक्षा की जिम्मेदारी डाक्टर्स ने अपने हाथों में ले रखी है

और इसी लिए हमारे समाज में डाक्टर्स को भगवान का रूप माना जाता है।

हमारे शास्त्रों में भी डाक्टर्स को एक ईश्वरीय अवतार ही बताया गया है, और आज यहां मैं ऐसे डाक्टर्स को सम्मानित होते हुए देख रहा हूँ जिनकी सेवा और समर्पण के बल पर लोगों के जीवन में एक नया जीवन दान मिल रहा है।

यहां उपस्थित डाक्टर्स समाज को एक प्रेरणा देने वाले हैं। आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 सुनील जोशी,** कुलपति, दून मेडिकल युनिवर्सिटी के कुलपति **प्रो0 हेमचन्द्र जी सहित सभी 26 डाक्टर्स अपने आप में उत्तराखण्ड की चिकित्सा व्यवस्था को एक महत्वपूर्ण आयाम दे रहे हैं**

आप सभी समाज के लिए एक आईकान और प्रेरणा स्रोत बन गये हैं।

आपके कार्यों से हजारों – लाखों लोगों के जीवन में खुशहाली और एक सुखद परिवर्तन आ रहा है।

हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हम आज चिकित्सा क्षेत्र में कितने भी आगे क्यों न बढ़ गये हों लेकिन हमारे प्राचीन ऋषियों–मुनियों के द्वारा दिये गये ज्ञान को भुला नहीं सकते,

हमारे प्राचीन ऋषि–मुनियों का ज्ञान हमारे लिए एक मार्गदर्शक और एक प्रेरणा स्रोत है।

हमें एक डाक्टर के रूप में अपनी चिकित्सा विद्या के उपयोग के साथ – साथ मैदया, करूणा, प्रेम, सद्भावना मैत्री जैसे मानवीय गुणों को भी पर्याप्त महत्व देना होगा।

भारत की महान परम्परा **'सर्वे भवन्तु सुखिनः'** और **'सर्वे सन्तु निरामयाः'** की है। हम सभी के सुख और सभी के निरोगी होने की कामना करते हैं।

हमें **'विश्वगुरू भारत'** और **'विकसित भारत'** के लक्ष्यों को पूरा करना है।

हमें दृढ़ विश्वास है कि हम अवश्य ही अपने महान संकल्प को पूरा करेंगें।

आज भारत के चिकित्सकों की ख्याति देश और विदेशों तक है, हमारे डाक्टर्स ने अनेक कीर्तिमान बनाए हैं,

बहुत सी ऐसी बिमारियां हैं जिनके निदान के लिए लोग भारत में चिकित्सा कराने के लिए आ रहे हैं या फिर विदेशों में भारत के डाक्टर्स के द्वारा चिकित्सा करायी जा रही है।

हमारे डाक्टर्स की यह क्षमता, निपुणता, और समर्पण हमारे देश की शक्ति का और राष्ट्रभक्ति का स्मरण कराती है।

भारत के डाक्टर्स अपनी प्रतिबद्धता और कार्य कुशलता के बल पर अतुलनीय योगदान दे रहे हैं।

हमने हमारे डाक्टर्स की ताकत, उनकी सेवा और समर्पण की भावना को कोरोना काल में देखा है।

किस प्रकार डाक्टर्स ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की है, खुद कोरोना संक्रमित हो गये लेकिन अपनी ड्यूटी निभाते हुए अपने कर्तव्य के प्रति उत्तरदायी रहे।

लोगों के मन में डाक्टर्स के प्रत जो यह गहरी आस्था है, इसे जीवंत बनाए रखना होगा।

भारत में चिकित्सा खर्चा औसतन बहुत कम है, भारत की एक बड़ी आबादी, एक सुदृढ़ फार्मा क्षेत्र एवं चिकित्सा आपूर्ति शृंखला का हिस्सा है, भारत की एक विशाल आबादी को केवल चिकित्सा क्षेत्र ही बड़े स्तर पर रोजगार उपलब्ध करा रहा है।

आने वाले भविष्य में हमें टैलीपैथी, आर्टिफिसियल इंटैलिजैंस, ब्लाकचैन, रोबोटिक्स, सप्लाई चैन, मैटावर्स

और आधुनिक तकनीकि के बल पर प्रभावी और परिणामकारी बनाना है।

चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ आप सभी से अपील है कि आप उच्च टैक्नालॉजी के बल पर चिकित्सा के क्षेत्र में भारत को एक नया नेतृत्व और एक उंची उड़ान दें।
हमने अमृत काल में नये भारत के निमार्ण का सपना पाला है, विकसित भारत और समृद्ध भारत के लिए चिकित्सा क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है।

कुशल स्वास्थ्य प्रशासन, बेहतर प्रबंधन प्रणाली, स्वास्थ्य नियामक एजेंसियों और निकायों को सुदृढ़ करते हुए हमें चिकित्सा क्षेत्र को एक नये मुकाम पर ले के जाना है।

आशा है कि हम सभी अपने दायित्वों को निभाते हुए देश की समृद्धि और खुशहाली में योगदान देंगें।

आप सभी ने गम्भीरता पूर्वक मेरी बातों को सुना इसके लिए यहां उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री श्री धन सिंह रावत जी और अन्य महानुभावों को धन्यवाद देता हूँ सभी को एक बार फिर से हार्दिक आभार, धन्यवाद और शुभकामनाएं प्रदान करता हूँ, अमर उजाला परिवार को इस आयोजन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!